आज का पुरुषार्थ 6 Nov 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"कितने भाग्यवान हूँ मैं कि .. बाबा स्वयं मुझसे मिलने के लिए अपयेन्टमेन्ट फिक्सड करते है .. मुझसे मिलने के लिए कितने आतुर है मेरे बाबा "*

परम सौभाग्य की बात है कि भगवान से डायरेक्ट हमारा कनेक्शन हो गया है। जिससे क्षणिक बात करने के लिए हम इन्तजार करते थे, कब अपयेन्ट मिले? कब समय मिले?

वो आये धरा पर। उन्होंने हमें स्वीकार किये। और कहें ..

" मैं हूँ शिव और आप सब मेरे पार्वतियाँ हो "

और हम आत्मायें शिव की सजनी उनके पार्वतियाँ बन गई। उन्होंने हमें श्रृंगार करना प्रारंभ कर दिया। हमें सम्पूर्ण बनाने की सम्पूर्ण योजना पर आगे बढ़ाने लगे।

हमें गाइड करने लगे। वो कहने लगे →

अपने मन की सारी बातें मुझसे करो .. मुझसे साजेशन ले लो .. श्रीमत लो क्या करना है और क्या नहीं करना .. मुझसे रूहरिहान करके प्राप्त कर लो

पर हमारा कनेक्शन इतना क्लीयर हो कि .. हमारी उनसे बातें हो सके। और ..

बातें वही कर सकेंगे .. जो सारा दिन मनुष्य से कम बातें करते है, जो अन्तर्मुखी रहते है। जिन्होंने अपने **परमपिता** को अपने परम प्यार में बांध लिया है।

बातें वही कर सकेंगे .. जिनका चित बहुत शान्त रहता है। और जिसने उनसे सच्चे मन से अपना बनाया है।

तो आइये हम अपने **परमपिता** से, परम **प्रियतम** से रोज़ बातें करने की आदत डालें। हर दिन में कई बार उनसे बातें करे। उनसे **कनेक्शन** जोड़ा करें।

जैसे संसार में जो कोई व्यक्ति हमारा बहुत करीब होता है, हम उससे बार बार फ़ोन करके बातें करते है।

अपने उस परम प्रियतम से भी हम दिन में कई बार बातें करने का अनुभव करे। उनकी बातों को कैच करे, अपनी बात उन्हे सुनायें। हमें मेहसूस हो उन्होंने मेरी बातें सुन ली।

कोई समस्या की कोई दुःख की बात थी, उसे हर लिए उसका समाधान दे दिया। तो बातें करने के लिए हमें उनके पास जाना पड़ेगा।

तो देखें .. हम चलें यहाँ से सूक्ष्म लोक, और बाबा आयेंगे परमधाम से नीचे उसी लोक में। दोनों का मिलन का स्थान सूक्ष्म लोक बना ले।

हमारे पास बहुत सुन्दर ड्रेस है, जो स्वयं बाबा ने हमें दिये है। **चमकीली ड्रेस, फ़रिश्ते की ड्रेस, बहुत डिवाइन ड्रेस।** बिल्कुल लाइट, प्रकाश की काया।

उसको पहनकर हम सूक्ष्म लोक में पहुँचे और देखें →

" बापदादा हमारे सामने है .. उनसे दृष्टि ले .. रूहरिहान करें "

रोज इनका आदत डालें उनसे बातें करने की। तो यह सबकुछ क्लियर होता जायेगा। अगर हम रोज बातें नहीं करते, केवल समय आने पर मुसीबत आने पर उनसे कमप्लेन करते, शिकायतें या फिर कुछ मांगते है तो यह उचित नहीं होता है।

बाबा भी यह सोचते होंगे →

" देखा जरूरत पड़ी तो मेरे पास आ गये .. वैसे कभी मुझसे बात ही नहीं करते ? "

और बाप को कैसा लगता होगा जब हम उनसे मांगते है? उन्हें भी शायद कष्ट होता कि .. यह दाता के बच्चे, यह ब्रह्माण्ड के मालिक के बच्चे, जो स्वयं भी विश्व के मालिक बनने जा रहे है, यह क्या मांग रहे है?

हम अपने स्वमान को जागृत करे और यह सूक्ष्म फ़रिश्ते की ड्रेस पहनकर रोज बाबा के पास चला करे। कितना सुन्दर समय है, कितना सुन्दर अपयेन्ट दी बाबा ने हमें!

रोज़ सवेरे, शाम को, वैसे तो हर समय ड्रेस भी दे दी, अपयेन्टमेन्ट भी दे दी। तो हम अपने भाग्य का गुणगान करे ..

" कितने भाग्यवान है हम सभी जो भगवान स्वयं हमें मिलने का समय दिये है, बात करने का समय दिये, ड्रेस भी दिये "

क्योंकि यह उचित नहीं होता कि हम हाईयेस्ट अथॉरिटी से मिलने जा रहे हो, और हम अपने गंदी पुरानी वॉडी कन्शॉसनेस की ड्रेस पहनकर जायें .. मिलन नहीं होगा।

तो स्वमान स्वरुप, एक ही स्थान, उचित समय मिलन का सुन्दर अनुभव करायेगा।

आज सारा दिन कई बार →

" हम सूक्ष्म लोक में चलेंगे .. अपनी यह सुन्दर चमकीली ड्रेस पहनकर .. जिससे चारों ओर लाइट माइट फैलती है .. और बापदादा को सामने देखते हुए .. उनसे दृष्टि लेंगे .. उनके साथ रास करेंगे .. फ्रेन्डली रूहरिहान करेंगे "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org